RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 140
दि. 19.09.2025,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नेपाल की अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की से बातचीत की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज नेपाल की अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री श्रीमती सुशीला कार्की के साथ टेलीफोन पर बातचीत की।

प्रधानमंत्री ने नेपाल की प्रधानमंत्री श्रीमती सुशीला कार्की को उनकी नियुक्ति पर बधाई दी और भारत सरकार तथा भारत के लोगों की तरफ से उन्हें शुभकामनाएं दीं। श्री मोदी ने नेपाल में हाल में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान जान-माल के नुकसान पर गहरी संवेदना व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने दोनों देशों के बीच विशेष सम्बन्धों को और सुदृढ़ बनाने के लिए घनिष्ठतापूर्वक कार्य जारी रखने के प्रति भारत की तत्परता व्यक्त की।

'मैं भारत और पीएम मोदी के बहुत करीब...', रूस से तेल खरीद पर आलोचना के बाद बदले ट्रंप के सुर

ब्रिटेन में ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ पत्रकारों से बात करते हुए एक बार फिर अपने रिश्ते का जिक्र किया.

(जीएनएस)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम मोदी के साथ अपनी करीबी दोस्ती का जिक्र किया. रूस से तेल खरीद पर अमेरिका की नाराजगी के बावजूद ट्रंप ने भारत के प्रति नरम रुख अपनाया है. हालांकि ट्रंप ने यूरोपीय देशों और चीन की आलोचना की और कहा कि वैश्विक तेल की कीमतें घटाकर रूस को समझौते के लिए मजबूर किया जा सकता है.

रूस से तेल खरीदने पर कई महीनों तक टैरिफ की धमकी देने के बाद अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का रुख भारत के प्रति नरम होता दिख रहा है. उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी दोस्ती पर जोर देना शुरू कर दिया है. पीएम मोदी को जन्मदिन की बधाई देने के 2 दिन बाद ही ट्रंप ने ब्रिटेन में ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ पत्रकारों से बात करते हुए एक बार फिर अपने रिश्ते का जिक्र किया.

ट्रंप ने कहा कि मैं भारत के बहुत करीब हूं, मैं भारत के प्रधानमंत्री मोदी के बहुत करीब हूं, मैंने उनसे पिछले दिनों बात की थी. मैंने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं. हमारे बीच बहुत अच्छे संबंध हैं.

ट्रंप की ये टिप्पणी उस समय आई है, जब उन्होंने यूरोपीय देशों की आलोचना की कि वे अब भी रूस से तेल खरीद रहे हैं. उनका कहना है कि ऐसा करने से मौजूदा संघर्षों में रूस को अलग-थलग करने की कोशिश कमजोर पड़ती है. भारत द्वारा रूसी तेल खरीद पर लगातार नाराजगी जताने के बावजूद ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपने करीबी रिश्तों पर जोर दिया. साथ ही कहा कि वैश्विक तेल कीमतें घटाना रूस को समझौते के लिए मजबूर करने का सबसे बड़ा उपाय है.

'यूरोपीय देश अब भी रूस से तेल खरीद रहे'

ट्रंप ने कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि यूरोपीय देश अब भी रूस से तेल खरीद रहे हैं. उन्होंने कहा कि मैंने तो उन पर पहले ही प्रतिबंध लगाए हैं.

सीएम योगी बोले- नई जीएसटी दरों से बढ़ेगी जीडीपी, यूपी को भी मिलेगा फायदा, पीएम मोदी का जताया आभार

लखनऊ (जीएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी दरों में सुधार के लिए पीएम नरेंद्र मोदी के प्रति आभार और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को धन्यवाद दिया है। उन्होंने 22 सितंबर से लागू हो रही जीएसटी के नई दरों को नेक्स्ट जेन जीएसटी का नाम देते हुए कहा कि केंद्र सरकार का आम जनता के लिए दीपावली का बड़ा उपहार है।

मुख्यमंत्री ने बृहस्पतिवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा नई जीएसटी दरों के लागू होने से सबसे अधिक फायदा होगा, क्योंकि यूपी देश का सबसे बड़ा उपभोक्ता राज्य है। सीएम ने कहा कि करों में जन-केंद्रित सुधार से देश की तरह यूपी की जीडीपी में भी 0.2 से 0.3 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी का अनुमान है। पहली बार जब जीएसटी लागू हुआ था तो उस समय इसके करों के पांच स्लैब थे। जिसे घटाकर अब सिर्फ दो ही स्लैब (पांच और 18 प्रतिशत) कर दिए गए हैं। सिर्फ लग्जरी सामानों के लिए 40 प्रतिशत

जीएसटी का स्लैब अलग है। उन्होंने कहा कि जीएसटी की नई दरों में रोजमर्रा के सामग्री शामिल किए जाने से आम जनता को बड़ी राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार होने के नाते उत्तर प्रदेश को जीएसटी सुधारों का सबसे ज्यादा फायदा मिलेगा। उन्होंने बताया कि पहले यूपी में वैट और सेल टैक्स से केवल 49000 करोड़ रुपये का राजस्व आता था। 2017 के बाद यह बढ़कर 1.15 लाख करोड़ रुपये हो गया। यही नहीं, प्रदेश में एक्सप्रेसवे, मेट्रो और एयरपोर्ट नेटवर्क का विस्तार भी टैक्स सुधार से संभव हुआ। यूपी को खासतौर पर पिपरमेंट, फुटवियर, रेडीमेड वस्त्र और वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) उद्योगों से लाभ होगा। सिंथेटिक मेंथॉल पर 18 प्रतिशत टैक्स और ऑर्गेनिक मेंथॉल पर केवल 5 प्रतिशत टैक्स लगाया गया है, जिससे यूपी के किसान और उद्योग को बढ़ावा मिलेगा।

पर्यावरण मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव ने सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत नई दिल्ली में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण अभियान का नेतृत्व किया

(जीएनएस)।

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने आज नई दिल्ली में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण अभियान का नेतृत्व करते हुए सेवा पखवाड़ा में भागीदारी की।

श्री यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में, सभी भारतीयों से धरती माता के नाम पर एक पेड़ लगाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि यह वृक्षारोपण कार्यक्रम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर मनाए जा रहे सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित किया गया था। श्री भूपेन्द्र यादव ने आगे कहा कि 'एक पेड़ माँ के नाम 2.0' अभियान न केवल पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता है, बल्कि इसके प्रति हमारी प्रतिबद्धता को भी दशार्ता है।

सेंट्रल रिज, पीबीजी पोलो ग्राउंड में आयोजित इस कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता, दिल्ली के पर्यावरण मंत्री सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में विभिन्न देशों के लगभग 70 राजनयिक और अन्य वरिष्ठ सरकारी अधिकारी भी उपस्थित थे।

भारतीय रक्षा इंजीनियर सेवा ने 76वां स्थापना दिवस मनाया

रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत एक संगठित ग्रुप 'ए' कैडर, भारतीय रक्षा इंजीनियर सेवा (आईडीएसई) ने 17 सितंबर, 2025 को दिल्ली कैंट स्थित मानेकशॉ सेंटर में अपना 76वां स्थापना दिवस मनाया। रक्षा सचिव श्री

राजेश कुमार सिंह इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। अपने संबोधन में उन्होंने विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के माध्यम से राष्ट्रीय रक्षा तैयारियों को मजबूत बनाने में आईडीएसई कैडर के अधिकारियों की भूमिका की सराहना की।

राहत आयुक्त कार्यालय में सर्पदंश प्रबंधन कार्यशाला सम्पन्न

लखनऊ, सितम्बर। राहत आयुक्त कार्यालय की ओर से मंगलवार को योजना भवन स्थित वैचारिकी सभागार में सर्पदंश न्यूनीकरण कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय सर्पदंश चिकित्सकीय प्रबंधन कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम का संयोजन राहत आयुक्त भानु चन्द्र गोस्वामी ने किया।

चिकित्सक संवेदनशीलता से करें उपचार : राहत आयुक्त

कार्यशाला को संबोधित करते हुए राहत आयुक्त गोस्वामी ने कहा कि सर्पदंश पीड़ितों के इलाज में हर क्षण कीमती होता है, इसलिए चिकित्सक पूरी संवेदनशीलता से तत्काल उपचार करें, न कि मरीज को अन्य अस्पताल भेजें।

उन्होंने बताया कि प्रत्येक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर एंटी स्नेक वेनम (ASV) की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ ही उसकी रियल टाइम मॉनिटरिंग और लाइव ट्रैकिंग की व्यवस्था शीघ्र ही स्नेक बाइट मिटिगेशन पोर्टल पर उपलब्ध

कराई जाएगी।

उन्होंने कहा कि हेल्पलाइन नंबर 1070 पर भी नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों और वहां उपलब्ध एंटी स्नेक वेनम की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। राहत आयुक्त ने यह भी बताया कि चिकित्सकों के अलावा फील्ड में कार्यरत गैर-तकनीकी स्टाफ को भी प्रशिक्षित किया जाएगा ताकि सर्पदंश पीड़ित को एम्बुलेंस से इलाज तक किसी कठिनाई का सामना न करना पड़े।

भ्रांतियों से बचें, समय पर लगवाएं एंटी स्नेक वेनम : डॉ. पंकज

स्नेक बाइट प्रोग्राम के नोडल अधिकारी डॉ. पंकज सक्सेना ने बताया कि उत्तर प्रदेश में 38 प्रजाति के सांप पाए जाते हैं, जिनमें से 18 विषैले और 20 गैर-विषैले हैं। उन्होंने कहा कि कई बार लोग घबराहट में हार्ट अटैक का शिकार हो जाते हैं, जबकि समय पर उपचार मिलने से जान बच सकती है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि सांप दूध नहीं पीते, जोड़े में नहीं रहते और न ही नागमणि जैसी कोई वस्तु होती है। झाड़-फूंक या तांत्रिक के बहकावे में न आने की सलाह भी दी।

उढफ और आपातकालीन प्रशिक्षण

किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय की प्रोफेसर शैफाली गौतम व डॉ. नीलकमल मिश्रा ने चिकित्सकों को सीपीआर (उढफ) और एम्बूबैग के प्रयोग का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने कहा कि सटीक उढफ तकनीक से कई मरीजों की जान बचाई जा सकती है।

18 जनपदों से 100 चिकित्सक हुए शामिल

इस कार्यशाला में अम्बेडकर नगर, आजमगढ़, बलिया, बस्ती, चंदौली, देवरिया, गोरखपुर, जौनपुर, कुशीनगर, मऊ, मिजार्पुर, प्रतापगढ़, प्रयागराज, रायबरेली, संतकबीर नगर, श्रावस्ती, सिद्धार्थ नगर व सुल्तानपुर जिलों से आए करीब 100 चिकित्सकों ने भाग लिया।

कार्यशाला का संचालन शांतनु द्विवेदी ने किया, जबकि राज्य सलाहकार काव्या शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर संतोष कुमार, शैलेन्दु नाथ मिश्रा, अमित कुमार, आशीष वर्मा, प्रशांत शाही, राम किशोर, अदिति गुप्ता, नवनीत यादव, अविनाश सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

कृषि मशीनरी पर जीएसटी सुधारों को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान करेंगे बैठक

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में कल 19 सितंबर 2025 को नई दिल्ली में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में ट्रैक्टर एवं कृषि यंत्रीकरण संघ (TMA), कृषि मशीनरी निमार्ता संघ (AMMA), अखिल भारतीय कम्बाइन हार्वेस्टर निमार्ता संघ (AICMA) तथा पावर टिलर एसोसिएशन ऑफ इंडिया (PTAI) सहित अन्य संबंधित संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह की पहल पर आयोजित इस बैठक का उद्देश्य कृषि मशीनरी एवं उपकरणों पर हाल ही में घोषित जीएसटी दरों में कमी (12-18% से घटाकर 5%) के निर्णय पर चर्चा करना।

केरल की राज्य मंत्री श्रीमती वीना जॉर्ज ने केरल में 'आयुष सेक्टर में आईटी समाधान' पर आयोजित राष्ट्रीय आयुष मिशन कार्यशाला का उद्घाटन किया

(जीएनएस)।

केरल सरकार की स्वास्थ्य और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती वीना जॉर्ज ने आज केरल के कुमारकोम स्थित मनोरम केटीडीसी वाटरस्केप्स में 'आयुष क्षेत्र में आईटी समाधान' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन किया। केरल के राष्ट्रीय आयुष मिशन द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में 23 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 91 प्रतिनिधियों तथा वरिष्ठ अधिकारियों, तकनीकी विशेषज्ञों और नीति निमार्ताओं सहित 155 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। यह कार्यशाला नई दिल्ली में आयोजित आयुष विभागीय शिखर सम्मेलन 2025 की प्राथमिकताओं के अनुरूप आयोजित की गई थी।

श्रीमती वीना जॉर्ज ने अपने उद्घाटन भाषण में, प्रतिनिधियों का हार्दिक स्वागत किया और कुमारकोम की प्राकृतिक संरचना के प्रतीकात्मक चयन पर जोर दिया, जो आयुष द्वारा प्रचारित सद्भाव को दशार्ता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि

प्रौद्योगिकी प्रगति को तेजी से अपनाने के साथ-साथ पारंपरिक मूल्यों को बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है।

श्रीमती वीना जॉर्ज ने डिजिटल उपकरणों को स्वास्थ्य इको-सिस्टम में सहजता से एकीकृत करने की अनिवार्यता को रेखांकित किया—जो वास्तविक समय की निगरानी, बेहतर मानव संसाधन प्रबंधन, मजबूत डेटा ढांचे और अधिक सुलभ और किफायती देखभाल के लिए पारदर्शी वित्तीय ट्रैकिंग की सुविधा प्रदान करेगा। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से एक केंद्रीकृत, अंत:क्रियाशील डिजिटल ढांचे के लिए सहयोगात्मक रूप से रोडमैप तैयार करने का आ'ान किया जो राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को मजबूत करे और कोई भी इसके लाभ से वंचित न रहे। आयुष मंत्रालय, केरल सरकार और इसमें शामिल सभी हितधारकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए, उन्होंने आशा व्यक्त की कि कार्यशाला से नवोन्मेषी डिजिटल प्लेटफॉर्म और संयोजित राष्ट्रीय पहल सहित ठोस परिणाम प्राप्त होंगे।

केंद्रीय मंत्री श्री सबार्नंद सोनोवाल ने डिब्रूगढ़ में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के उत्सव का नेतृत्व किया

(जीएनएस)।

केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग (एमओपीएसडब्ल्यू) मंत्री, श्री सबार्नंद सोनोवाल ने बुधवार को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में डिब्रूगढ़ में एक भव्य समारोह का नेतृत्व किया, जो देश भर में शुरू किए गए 'स्वस्थ नारी-सबल परिवार अभियान' और आठवें राष्ट्रीय पोषण माह की तर्ज.पर था।

मध्य प्रदेश से, प्रधानमंत्री मोदी ने इन पहलों को राष्ट्र को समर्पित किया, और शानदार स्वास्थ्य सेवाएं, बेहतर पोषण और मजबूत परिवार सुनिश्चित करने के अपने विजन को रेखांकित किया। डिब्रूगढ़ में केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने एक दिवसीय कार्यक्रम का नेतृत्व किया और प्रधानमंत्री के परिवर्तनकारी एजेंडे के प्रति असम की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए इस कार्यक्रम में नागरिकों, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं, महिला समूहों और सामुदायिक नेताओं को एक साथ

लाया गया।

इन स्थानीय समारोहों में जन-केंद्रित पहलों की एक श्रृंखला शामिल थीः निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच, अनिवार्य दवाओं का वितरण और एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर। ये गतिविधियाँ निवारक स्वास्थ्य-रक्षा, पोषण और सामुदायिक सेवा के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए तैयार की गई थीं। ये ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर प्रधानमंत्री मोदी ने, स्वस्थ भारत के निर्माण के लिए इन्हें जरूरी बताते हुए, बार-बार जोर दिया है।

श्री सबार्नंद सोनोवाल ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा, "आज न केवल विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता का जन्मदिन है, बल्कि यह वह दिन भी है जब भारत उत्तम स्वास्थ्य, सुदृढ़ परिवारों और महिला-नेतृत्व वाले विकास के मिशन के लिए स्वयं को पुनः समर्पित कर रहा है।" उन्होंने आगे कहा, "असम के एक बेटे के रूप में, मुझे यह देखकर गर्व होता है कि डिब्रूगढ़ इस राष्ट्रीय आंदोलन में पूरे मनोयोग से योगदान दे रहा है। इस निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की ओर से मैं अपने प्रिय प्रधानमंत्री को उनके 75वें जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ।

कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डीएआरई)/भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) 2 से 31 अक्टूबर, 2025 तक विशेष अभियान 5.0 चलाएगा

प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) के निर्देशों के अनुरूप, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डीएआरई)/भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) 2 से 31 अक्टूबर, 2025 तक विशेष अभियान 5.0 में भाग लेगा , जिसका प्रारंभिक चरण 15 से 30 सितंबर, 2025 तक चलेगा । इस अभियान का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता को संस्थागत बनाना, लंबित मामलों को कम करना, रिकॉर्ड प्रबंधन और कबाड़ एवं ई-कचरे के वैज्ञानिक निपटान पर केंद्रित होगा ।

विशेष अभियान 4.0 के दौरान पिछले वर्ष कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डीएआरई)/भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने लंबित मामलों को कम करने, फाइलों की समीक्षा।

सम्पादकीय

पाकिस्तानी मंत्री इशाक डार ने ट्रंप के दावे की पोल खोली

पाकिस्तान से दो ऐसी स्वीवृति आईं हैं जो न सिर्प भारत के ऑपरेशन सिदूर में भारत की सफलता का ही उल्लेख करती है बल्कि अमेरिकी राष्ट्रपति के दावों को भी खारिज करती हैं। इनसे इस बात की भी पुष्टि होती है जो भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारी दावा करते आ रहे हैं। सबसे पहले बात करते हैं जैश-ए-मोहम्मद के नंबर दो कमांडर मसूद इलियास कश्मीरी की। इलियास कश्मीरी ने स्वीकार किया है कि आतंकी संगठन के बहावलपुर मुख्यालय पर भारतीय सेना के हमले में उसके संस्थापक मसूद अजहर के परिवार के सदस्यों के चीथड़े उड़ गए थे। मैं अपने परिवार के सदस्यों के मारे जाने की बात स्वीकार करता हूं। मंगलवार को एक यूटूब चैनल पर अपलोड किए गए वीडियो में जैश-ए-मोहम्मद कमांडर इलियास कश्मीरी को भारतीय हमले के खिलाफ जहर उगलते सुना जा सकता है। जिसमें अजहर के परिवार के सदस्य मारे गए थे। यह वीडियो 6 सितम्बर को पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में हुए मिशन मुस्तफा सम्मेलन का बताया जा रहा है। कई बंदूकधारियों के बीच खड़े जैश कमांडर ने कहा इस देश की वैचारिक और भौगोलिक सीमाओं की रक्षा के लिए हमने दिल्ली, काबूल और वंधार पर हमला किया (जेहाद छेड़ा) और अपना सब वुछ वुर्बान करने के बाद सात मईं को बहावलपुर में मौलाना मसूद अजहर के परिवार के सदस्यों को भारतीय हमलों में टुकड़े-टुकड़े कर दिया गया। बता दें कि पहलगाम हमले के बाद भारत ने 6-7 मईं की रात ऑपरेशन सिदूर के तहत पाकिस्तान व गुलाम कश्मीर में लश्कर व जैश के मुख्यालय समेत 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया था। अजहर ने खुद कहा था कि बहावलपुर में भारतीय हमले में मरने वालों में उसकी बड़ी बहन और उसके पति, एक भतीजा व उसकी पत्नी, एक अन्य भतीजी व परिवार के पांच बच्चे शामिल थे यानि वुल मिलाकर दस ज्यादा मारे गए थे। इसी से साबित होता है कि भारतीय सेना का निशाना कितना सटीक था। अब बात करते हैं ताऊ ट्रंप के दांवों की। पाकिस्तान के उप-प्राधानमंत्री और विदेश मंत्री इशार डार ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम कराने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे की ही पोल खोल दी है। डार ने कहा कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने मईं में भारत-पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य संघर्ष के दौरान उनसे कहा था कि भारत ने युद्ध विराम के लिए तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से इंकार कर दिया था क्योंकि यह दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय मुद्दा है। जब डार से भारत के साथ वार्ता या तीसरे पक्ष की भागीदारी को लेकर पाकिस्तान के रुख के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा हमें कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन भारत स्पष्ट रूप से कह रहा है कि यह एक द्विपक्षीय मामला है। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बार-बार दावा किया है कि उन्होंने दोनों परमाणु संपन्न पड़ोसियों के बीच युद्ध विराम करवाया। ट्रंप 10 मईं के संघर्ष विराम के बाद से 30 से ज्यादा बार दोनों देशों में संघर्ष विराम का दावा कर चुके हैं। इशाक डार ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि भारत ने अमेरिका सहित किसी भी देश की मध्यस्थता से साफ इंकार कर दिया है। डार ने ट्रंप की पोल खोल दी है।

टेक्नोलॉजी के चैंपियन हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी: अश्विनी वैष्णव

क्या आपको वह समय याद है जब सरकारी दस्तावेज को हासिल करना कितना मशक्कत का काम होता था ? कई बार चक्कर लगाने पड़ते थे, लंबी लाइनें लगती थीं, और कभी-कभी बेवजह की फीस देनी पड़ती थी। अब वही दस्तावेज सीधे आपके फोन पर मिल जाते हैं।

यह बदलाव यूं ही नहीं हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने तकनीक को भारत का सबसे बड़ा समान अवसर देने वाला साधन बना दिया। मुंबई का एक रेहड़ी-पटरी वाला वाला भी वही यूपीआई पेमेंट सिस्टम इस्तेमाल करता है, जो एक बड़ी कंपनी का अधिकारी करता है। उनकी सोच में तकनीक पद के अनुरूप किसी ऊंच-नीच को नहीं मानती।

यह बदलाव उनकी मूल सोच अंत्योदय को दशार्ता है- यानी कतार में खड़े सबसे आखिरी व्यक्ति तक पहुंचना। हर डिजिटल पहल का मकसद है कि तकनीक को सबके लिए समान रूप से उपलब्ध कराना। गुजरात में शुरू हुए ये प्रयोग ही भारत की डिजिटल क्रांति की नींव बने।

गुजरातः जहां से शुरूआत हुई

मुख्यमंत्री रहते हुए मोदी जी ने तकनीक और नवाचार के जरिए गुजरात को बदला। 2003 में शुरू की गई ज्योतिग्राम योजना में फीडर सेपरेशन तकनीक का उपयोग किया गया। इससे ग्रामीण उद्योगों को 24७7 बिजली मिली और तय समय पर खेतों को बिजली मिलने से जमीन के नीचे का पानी कम गति से घटने लगा।

महिलाएं रात में पढ़ाई कर सकीं और छोटे व्यवसाय फले-फूले, जिससे गाँव से शहर की ओर पलायन घटा। एक अध्ययन के अनुसार, इस योजना पर किए गए 1, 115 करोड़ रुपये के निवेश की भरपाई सिर्फ. ढाई साल में हो गई।

2012 में उन्होंने नर्मदा नहर पर सोलर पैनल लगाने का निर्णय लिया। इस परियोजना से हर साल 1.6 करोड़ यूनिट बिजली बनी, जो लगभग 16, 000 घरों के लिए काफी थी। साथ ही, नहर के पानी का वाष्पीकरण कम हुआ और पानी की उपलब्धता बढ़ी।

एक ही पहल से कई समस्याओं का समाधान निकालना मोदी जी की तकनीक दृष्टि को दशार्ता है। स्वच्छ ऊर्जा बनाना और पानी बचाना, दोनों साथ-साथ। यह दक्षता और प्रभाव का उदाहरण था, जो साधारण समाधानों से कहीं अधिक था।

इस नवाचार को अमेरिका और स्पेन द्वारा अपनाया जाना इसकी प्रभावशीलता को और मजबूत करता है।

ई-धरा प्रणाली से जमीन के कागजात डिजिटल हुए। स्वागत पहल से नागरिक वीडियो कांफ्रेंसिंग द्वारा मुख्यमंत्री से सीधे जुड़ सके। ऑनलाइन टेंडरिंग से भ्रष्टाचार पर रोक लगी।

इन पहलों से भ्रष्टाचार घटा और सरकारी सेवाओं तक पहुंच आसान हुई। लोगों का शासन पर भरोसा लौटा, जिसका असर गुजरात में लगातार मिलती बड़ी चुनावी सफलताओं में दिखा।

राष्ट्रीय परिदृश्य

2014 में उन्होंने गुजरात का अनुभव और सीख को दिल्ली तक पहुंचाया। लेकिन पैमाना कहीं बड़ा था।

उनके नेतृत्व में इंडिया स्टैक ने जो आकार लिया, वह दुनिया का सबसे समावेशी डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर बनकर उभरा है। इसकी बुनियाद जैम ट्रिनिटी (जन धन, आधार, मोबाइल) पर रखी गई।

जन धन खातों ने 53 करोड़ से अधिक लोगों को बैंकिंग सिस्टम से जोड़ा। जो लोग अब तक आर्थिक रूप से बाहर थे, वे पहली बार औपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा बने।

ठेले वाले, दिहाड़ी मजदूर और ग्रामीण परिवार, जो केवल नकद पर निर्भर रहते थे, अब बैंक खातों से जुड़े। इससे उन्हें सुरक्षित बचत करने, सीधे सरकारी लाभ पाने और आसानी से कर्ज. प्राप्त करने का अवसर मिला।

आधार ने नागरिकों को डिजिटल पहचान दी। अब तक 142 करोड़ से ज्यादा पंजीकरण हो चुके हैं। इससे सरकारी सेवाओं तक पहुंचना आसान हुई, जहां पहले कई दस्तावेजों की जांच की जरूरत पड़ती थी।

डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) ने बिचौलियों को हटा दिया और गड़बड़ी कम की। अब तक डीबीटी से 4.3 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत हुई है। यही पैसा स्कूल, अस्पताल और अन्य बुनियादी ढांचे बनाने में लगाया जा रहा है।

पहले ग्राहक की पहचान (केवाईसी) की प्रक्रिया कठिन थी। इसमें कागजी दस्तावेजों की जांच, मैनुअल प्रक्रिया और कई बार की भाग-दौड़ शामिल होती थी। इससे सेवा प्रदाताओं को हर वेरिफि केशन पर काफी खर्च करना पड़ता था। आधार-आधारित ई-केवाईसी ने इस खर्च को घटाकर मात्र 5 रुपये में कर दिया। अब छोटे से छोटे लेन-देन भी आर्थिक रूप से संभव हो गए हैं।

यूपीआई ने भारत के भुगतान करने का तरीका बदल दिया। अब तक 55 करोड़ से ज्यादा लोग इसका इस्तेमाल कर चुके हैं। सिर्फ. अगस्त 2025 में ही 20 अरब से अधिक लेन-देन हुए, जिनकी कुल राशि 24.85 लाख करोड़ रुपये रही।

अब पैसे भेजना बैंक में घंटों की परेशानी नहीं, बल्कि मोबाइल पर 2 सेकंड से भी कम का काम है। बैंक जाने, लाइन लगाने और कागजी प्रक्रिया की जगह अब क्यूआर कोड स्कैन से तुरंत भुगतान हो जाता है।

आज भारत दुनिया के कुल रियल-टाइम डिजिटल पेमेंट्स का आधा हिस्सा अकेले संभालता है। दस साल पहले भारत ज्यादातर नकद पर निर्भर था। प्रधानमंत्री मोदी की सोच ने जैम ट्रिनिटी और यूपीआई ढांचे को अंतिम रूप दिया।

जब कोविड आया और उन्होंने डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा दिया, तो यह पूरा सिस्टम कामयाब साबित हुआ। नतीजा यह है कि आज यूपीआई, वैश्विक स्तर पर वीजा से भी अधिक लेन-देन करता है। एक साधारण मोबाइल फोन अब बैंक, पेमेंट गेटवे और सर्विस सेंटर... सब कुछ बन गया है।

प्रगति ने शासन में जवाबदेही लाने का काम किया। यह प्लेटफॉर्म प्रधानमंत्री को सीधे प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग से जोड़ता है, जहां हर महीने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा होती है। जब अधिकारियों को पता होता है कि प्रधानमंत्री लाइव वीडियो में उनका काम देखेंगे, तो जवाबदेही अपने आप बढ़ जाती है।

जैसे किसी राजमार्ग परियोजना में देरी हो रही हो, तो प्रगति समीक्षा के दौरान तुरंत उस पर ध्यान दिया जाता है और अधिकारियों को देरी का कारण बताना पड़ता है। इससे तुरंत सुधार होता है और आखिरकार जनता को सीधा लाभ मिलता है।

सबके लिए तकनीक

तकनीक ने खेती और स्वास्थ्य सेवाओं को पूरी तरह बदल दिया है। हरियाणा के किसान जगदेव सिंह अब फसल से जुड़े फैसले लेने के लिए एआई ऐप्स का इस्तेमाल करते हैं। उन्हें मौसम की जानकारी और मिट्टी की सेहत का डेटा सीधे मोबाइल पर मिल जाता है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के जरिए 11 करोड़ किसानों को सीधी आय सहायता डिजिटल माध्यम से पहुंचाई जाती है।

डिजी-लॉकर के अब 57 करोड़ से ज्यादा उपयोगकर्ता हैं, जिनमें 967 करोड़ दस्तावेज डिजिटल रूप से सुरक्षित रखे गए हैं। आपका ड्राइविंग लाइसेंस, डिग्री सर्टिफि केट, आधार और अन्य सरकारी दस्तावेज अब आपके फोन में सुरक्षित रहते हैं।

सड़क पर पुलिस चेकिंग के दौरान अब कागज ढूंढने की जरूरत नहीं। बस डिजी-लॉकर से डिजिटल लाइसेंस दिखा दीजिए। आधार ऑथेंटिकेशन से आयकर रिटर्न भरना भी बेहद आसान हो गया है। जहां पहले ढेर सारे दस्तावेजों की फाइलें साथ ले जानी पड़ती थीं, अब सब कुछ आपकी जेब में मोबाइल पर समा गया है।

अंतरिक्ष और नवाचार

भारत ने वह कर दिखाया जो असंभव सा लगता था। मंगल तक पहली कोशिश में पहुंचना और वह भी इतने कम खर्चे में, जितना एक हॉलीवुड फि ल्म पर भी नहीं लगता। मंगलयान मिशन केवल 450 करोड़ में पूरा हुआ, जिसने साबित किया कि भारतीय इंजीनियरिंग विश्वस्तरीय नतीजे दे सकती है।

चंद्रयान-3 ने भारत को चाँद पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला चौथा देश बनाया और चाँद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश।

इसरो ने एक ही मिशन में 104 उपग्रह छोड़े, जो एक विश्व रिकॉर्ड है। अब भारतीय रॉकेट 34 देशों के उपग्रह अंतरिक्ष में पहुँचा रहे हैं। गगनयान मिशन भारत को चौथा ऐसा देश बनाएगा जो अपनी स्वदेशी तकनीक से इंसानों को अंतरिक्ष में भेजेगा। प्रधानमंत्री मोदी हमारे वैज्ञानिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे और उनकी क्षमताओं पर पूरा भरोसा रखते हैं।

वैश्विक नेतृत्व

जब कोविड-19 आया, तो पूरी दुनिया वैक्सीन बांटने की अफरा-तफरी से जूझ रही थी। भारत ने अपनी ताकत दिखाते हुए समाधान दिया। कोविन प्लेटफॉर्म रिकॉर्ड समय में बनाया गया। यह दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान का एक संपूर्ण डिजिटल समाधान था।

इस प्लेटफॉर्म ने 200 करोड़ से अधिक वैक्सीन डोज को सटीक डिजिटल ढंग से संभाला। न कोई ब्लैक मार्केटिंग, न पक्षपात सिर्फ. पारदर्शी वितरण।

डायनैमिक एलोकेशन की वजह से बबार्दी रुकी। बची हुई वैक्सीन तुरंत उन इलाकों में भेज दी जाती थी जहां ज्यादा जरूरत थी। यह उपलब्धि दिखाती है कि जब तकनीक को राजनीतिक इच्छाशक्ति का सहारा मिलता है, तो वह बहुत बड़े स्तर पर और पूरी निष्पक्षता के साथ परिणाम दे सकती है।

मैन्युफैक्चरिंग क्रांति

चीजें बनाने का असली नियम यह है कि आप सीधे चिप्स बनाने पर नहीं कूद सकते, पहले बुनियादी चीजें सीखनी पड़ती हैं। यह बिल्कुल वैसे है जैसे कोडिंग सीखते समय सबसे पहले 'हैलो वर्ल्ड' से शुरूआत होती है, उसके बाद ही बड़े ऐप्स बनाए जाते हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन भी इसी क्रम का पालन करता है। देश पहले असेंबली में महारत हासिल करते हैं, फिर सब-मॉड्यूल्स, कंपोनेंट्स और उपकरणों तक आगे बढ़ते हैं। भारत की यात्रा भी इसी प्रगति को दशार्ती है।

प्रधानमंत्री की दृष्टि के तहत, आज हमारी मजबूत इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन क्षमता हमें उन्नत सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग की ओर छलांग लगाने में मदद कर रही है।

भारत लंबे समय से डिजाइन टैलेंट का केंद्र रहा है। दुनिया के 20% से ज्यादा चिप डिजाइनर यहीं हैं। अब भारत 2 नैनोमीटर (एनएम), 3 एनएम और 7 एनएम जैसे एडवांस्ड चिप्स डिजाइन करने में सक्षम है। ये चिप्स भारत में डिजाइन होकर दुनिया भर के लिए बनाए जा रहे हैं।

वर्तमान में फैब्स और पैकेजिंग फैसिलिटीज बनाने पर फोकस करना इस प्राकृतिक विकास का अगला कदम है। लेकिन यह सोच केवल निर्माण तक सीमित नहीं है। सेमीकंडक्टर उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले केमिकल्स, गैस और विशेष सामग्री को भी समर्थन दिया जा रहा है।

इससे केवल फैक्ट्रियाँ नहीं, बल्कि एक पूरा ईकोसिस्टम खड़ा हो रहा है। यह सब प्रधानमंत्री मोदी की वैल्यू चेन की गहरी समझ से संभव हुई है। क्षमता को कदम-दर-कदम विकसित करना और हर चरण को मजबूत बनाना, उसके बाद ही अगले स्तर पर बढ़ना।

बुद्धिमत्ता से युक्त बुनियादी ढाँचा

पीएम गति शक्ति पोर्टल जीआईएस तकनीक का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करता है। हर बुनियादी ढांचे की परियोजना डिजिटल रूप से मैप की जाती है। सड़कें, रेल, हवाई अड्डे और बंदरगाह अब साथ में योजना बनाकर तैयार होते हैं। अब अलग-अलग विभागों में बिखरा काम नहीं, और न ही तालमेल की कमी से होने वाली देरी।

इंडिया एआई मिशन के तहत 38, 000 से अधिक जीपीयू उपलब्ध कराए गए हैं, वह भी वैश्विक लागत के एक-तिहाई दाम पर। इससे स्टार्टअप, शोधकताओं और छात्रों को सिर्फ. 67 रुपये प्रति घंटे की दर पर सिलिकॉन वैली जैसी कंप्यूटिंग सुविधा मिली है।

एआईकोश प्लेटफॉर्म पर 2, 000 से ज्यादा डेटा सेट मौजूद हैं। मौसम से लेकर मिट्टी की सेहत तक। इन्हीं की मदद से भारत की भाषाओं, कानूनों, स्वास्थ्य प्रणालियों और वित्त क्षेत्र के लिए स्थानीय एलएलएम विकसित किए जा सकते हैं।

तकनीक को लेकर प्रधानमंत्री मोदी की समझ भारत की अनूठी एआई रेगुलेशन नीति में भी दिखाई देती है। दुनिया के केवल बाजार-आधारित या सरकार-नियंत्रित मॉडल से अलग, वे एक विशिष्ट टेक्नो-लीगल फ्रेमवर्क की कल्पना करते हैं।

सख़्त नियम बनाकर नवाचार को रोकने के बजाय, सरकार तकनीकी सुरक्षा उपायों में निवेश करती है। विश्वविद्यालय और आईआईटी मिलकर डीपफेक, गोपनीयता और साइबर सुरक्षा जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए एआई-आधारित उपकरण विकसित कर रहे हैं। यह दृष्टिकोण नवाचार को बढ़ावा देता है और साथ ही सुनिश्चित करता है कि तकनीक ज़िम्मेदारी के साथ लागू हो।

बुनियादी ढाँचे में तकनीक

केवड़िया में बनी स्टैच्यू ऑफ यूनिटी 182 मीटर ऊंची है। यह दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है। 3डी मॉडलिंग और ब्रॉन्ज क्लैडिंग तकनीक से बनी यह प्रतिमा हर साल लगभग 58 लाख पर्यटकों को आकर्षित करती है। इस परियोजना से हजारों नौकरियाँ बनीं और केवड़िया एक बड़ा पर्यटन केंद्र बन गया।

चिनाब पुल 359 मीटर ऊंचा है, जो कश्मीर को भारत के बाकी हिस्सों से जोड़ता है। आइजोल रेल लाइन कठिन पहाड़ी इलाके से होकर गुजरती है और इसमें हिमालयन टनलिंग मेथड का प्रयोग किया गया है, जिसमें कई सुरंगें और पुल शामिल हैं। नया पंबन पुल सौ साल पुराने ढांचे की जगह आधुनिक इंजीनियरिंग से बनाया गया है।

ये सिर्फ. इंजीनियरिंग की अद्भुत कृतियां नहीं हैं, बल्कि यह मोदी जी की उस सोच को दशार्ते हैं जिसमें तकनीक और दृढ़ संकल्प के सहारे भारत को जोड़ा जा रहा है।

मानव जुड़ाव

प्रधानमंत्री मोदी तकनीक को समझते हैं, लेकिन इंसानों को उससे भी बेहतर समझते हैं। उनकी अंत्योदय की सोच ही हर डिजिटल पहल को आगे बढ़ाती है। यूपीआई कई भाषाओं में काम करता है। सबसे गरीब किसान और सबसे अमीर उद्योगपति, दोनों की एक जैसी डिजिटल पहचान है।

सिंगापुर से लेकर फ्रांस तक कई देश यूपीआई से जुड़े हैं। जी-20 ने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को समावेशी विकास के लिए अहम् माना है। जापान ने इसके लिए पेटेंट भी दिया है। जो शुरूआत में भारत का समाधान था, वही अब पूरी दुनिया के लिए डिजिटल लोकतंत्र का मॉडल बन गया।

गुजरात में शुरूआती प्रयोगों से लेकर डिजिटल इंडिया के शुभारंभ तक की यात्रा यह दिखाती है कि तकनीक में बदलाव लाने की शक्ति है। मोदी जी ने तकनीक को शासन की भाषा बना दिया है। उन्होंने साबित किया है कि जब नेता तकनीक को इंसानियत के साथ अपनाते हैं, तो पूरा देश भविष्य की ओर बड़ी छलांग लगा सकता है।

(लेखक भारत सरकार के रेल, आईटी और सूचना एवं प्रसारण मंत्री

सरकार ने उपभोक्ताओं के लिए कम जीएसटी का लाभ सुनिश्चित करते हुए उद्योग पर अनुपालन का बोझ कम किया

विधिक माप-विज्ञान नियमों में ढीलः संशोधित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) के लिए समाचार पत्र में सूचना की आवश्यकता नहीं

संशोधित कीमतों के साथ पुरानी पैकेजिंग का उपयोग मार्च 2026 तक किया जा सकता है

(जीएनएस)।

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के उपभोक्ता मामले विभाग ने 22 सितंबर 2025 से प्रभावी जीएसटी दरों में संशोधन के मद्देनजर एक संशोधित परामर्श जारी किया है। विधिक माप-विज्ञान (पैकेज्ड कमोडिटीज) नियम 2011 के नियम 33 के अंतर्गत , केंद्र सरकार ने उद्योग पर अनुपालन का बोझ कम करने के लिए ढील दी है और यह सुनिश्चित किया है कि कम जीएसटी का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुँचे।

परामर्श के अनुसार निमार्ता, पैकर्स और आयातक 22 सितंबर 2025 से पहले निर्मित बिना बिके पैकेजों पर स्वेच्छा से संशोधित मूल्य स्टिकर लगा सकते हैं, बशर्ते कि पैकेज पर छपी मूल एमआरपी अस्पष्ट न हो। यह स्पष्ट किया गया है कि नियम इस तरह के पुनः स्टिकर लगाने को अनिवार्य नहीं बनाते हैं और यह उन कंपनियों के लिए पूरी तरह से वैकल्पिक है, जो संशोधित मूल्य घोषित करना चाहती हैं।

इसके अलावा नियम 18(3) के अंतर्गत दो समाचार पत्रों में संशोधित एमआरपी प्रकाशित करने की आवश्यकता को समाप्त कर दिया गया है। इसके बजाय, निमार्ताओं और आयातकों को अब केवल थोक विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं को संशोधित मूल्य सूची देनी होगी। इसकी प्रतियाँ केंद्र सरकार में विधिक माप विज्ञान निदेशक और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में विधिक माप विज्ञान नियंत्रकों को भेजी जाएँगी। इससे अनुपालन सरल होगा और उद्योग पर प्रक्रियात्मक बोझ कम होगा।

परामर्श में जीएसटी संशोधन से पहले से छपी पुरानी पैकेजिंग सामग्री या रैपरों को 31 मार्च 2026 तक या स्टॉक समाप्त होने तक जो भी पहले हो तक उपयोग की भी अनुमति दी गई है। कंपनियाँ ऐसी पैकेजिंग पर किसी भी उपयुक्त स्थान पर मुहर, स्टिकर या ऑनलाइन प्रिंटिंग करके अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) को संशोधित कर सकती हैं।

इसके अलावा सरकार ने निमार्ताओं, पैकर्स और आयातकों को सलाह दी है कि वे डीलरों, खुदरा विक्रेताओं और उपभोक्ताओं को संशोधित जीएसटी दरों के बारे में सूचित करने के लिए कदम उठाएँ। उन्हें उपभोक्ता जागरूकता सुनिश्चित करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट और सोशल मीडिया सहित सभी संभव संचार माध्यमों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है।

यह कदम उद्योगों पर अनुपालन का अत्यधिक बोझ न पड़े और उपभोक्ताओं को जीएसटी में कमी का अपेक्षित लाभ मिले यह सुनिश्चित करते हुए व्यापार में आसानी और उपभोक्ता संरक्षण के बीच संतुलन बनाता है।

भारत और एफएओ में विश्व स्तरीय ब्लू पोर्ट्स के निर्माण के लिए करार; क्षमता निर्माण श्रृंखला पर पहला वेबिनार आयोजित

(जीएनएस)।

मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के तहत मत्स्य पालन विभाग (डीओएफ) ने भारत में ब्लू पोर्ट अवसंरचना को सुदृढ़ करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) के साथ एक तकनीकी सहयोग कार्यक्रम (टीसीपी) समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अनुरूप, मत्स्य पालन विभाग ने क्षमता निर्माण और वैश्विक सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों को साझा करने के लिए तीन वेबिनार और भौतिक कार्यशालाओं की श्रृंखला के हिस्से के रूप में एफएओ के टीसीपी कार्यक्रम के तहत आज पहला वेबिनार आयोजित किया। डीओएफ के सचिव डॉ अभिलक्ष लिखी ने "ब्लू पोर्ट की नींवः मछली पकड़ने के बंदरगाहों में मूल्य सृजन" विषय पर वेबिनार को संबोधित किया। वेबिनार में भारत में एफएओ प्रतिनिधि श्री ताकायुकी हागिवारा ने भी भाग लिया।

अपने संबोधन के दौरान, डॉ. अभिलक्ष लिखी ने इस बात पर जोर दिया कि मछली पकड़ने के बंदरगाह केवल भौतिक अवसंरचनाएं नहीं हैं, बल्कि आर्थिक समृद्धि, पारिस्थितिक स्थिरता और सामाजिक समावेश के कार्यनीतिक प्रवेश द्वार हैं। उन्होंने राष्ट्रीय खाद्य और पोषण सुरक्षा को मजबूत करने के लिए पारिस्थितिक रूप से स्वस्थ, आर्थिक रूप से व्यवहार्य और सामाजिक रूप से समावेशी मत्स्य पालन प्रणालियों के विकास के सरकार के विजन को

दोहराया। 5जी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वचालन और डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसी उन्नत तकनीकों के एकीकरण पर जोर देते हुए, उन्होंने मछली पकड़ने के बंदरगाहों पर दक्षता और सेवा वितरण को बढ़ाने में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने आधुनिकीकरण और हितधारक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) और मत्स्य पालन एवं जलीय कृषि अवसंरचना विकास कोष (एफआईडीएफ) जैसी प्रमुख योजनाओं के योगदान को रेखांकित किया और बंदरगाह संचालन में जलवायु लचीलापन, पता लगाने की क्षमता और ऊर्जा रुपांतरण पर ध्यान देने के लिए सार्वजनिक और निजी हितधारकों के बीच सहयोगात्मक प्रयासों का आ'ान किया। वनकबारा (दीव) और जखाऊ (गुजरात) बंदरगाहों पर कार्यनीतिक अपग्रेड के संचालन में एफएओ की सहायता का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि पीएमएमएसवाई के तहत, गुजरात, दमन और दीव तथा पुडुचेरी में 369.80 करोड़ रुपये के कुल निवेश के साथ तीन स्मार्ट और एकीकृत मत्स्य बंदरगाह विकसित किए जा रहे हैं।

वेबिनार में एफएओ के अधिकारियों, जिनमें श्री जोस एस्टोर्स, सुश्री योलांडा मोलारेस और सुश्री लूसिया लोपेज डी आरागॉन शामिल थे, ने ब्लू पोर्ट्स की अवधारणा और कार्यकुशलता बढ़ाने, पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने और सामाजिक-आर्थिक लाभ उत्पन्न करने के लिए टिकाऊ, समावेशी और नवीन प्रथाओं को बढ़ावा देने में उनकी भूमिका पर विशेषज्ञ प्रस्तुतियां दीं। इन सत्रों में बंदरगाहों को स्थिरता और मजबूत हितधारक सहयोग की ओर ले जाने के लिए एक रोडमैप, विगो बंदरगाह (स्पेन) पर एक केस स्टडी शामिल थी, जिसमें भारत में ब्लू पोर्ट्स दृष्टिकोण को अपनाने के लिए प्रमुख चुनौतियों और संभावित कार्रवाइयों पर सफल कार्यान्वयन और भागीदारीपूर्ण चचाओं को प्रदर्शित किया गया। वेबिनार ने वैश्विक सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों को साझा करने और हितधारकों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य किया।

इस कार्यक्रम में एफएओ मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों, विगो बंदरगाह (स्पेन) के प्रतिनिधियों, तटीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, समुद्री बोर्डों, प्रमुख बंदरगाह प्राधिकरणों, मत्स्य सहकारी समितियों और अन्य प्रमुख हितधारकों ने भी भाग लिया।

एफएओ के तकनीकी सहयोग

दूरसंचार विभाग 'विशेष स्वच्छता अभियान 5.0' (2 अक्टूबर, 2025 - 31 अक्टूबर, 2025) के लिए तैयार

नवंबर 2024 - अगस्त 2025 के दौरान 60052 लोक शिकायतों, 257 सांसद संदर्भों, 96 राज्य सरकार संदर्भों और 13816 पीजी अपीलों का निपटारा किया गया

(जीएनएस)।

दूरसंचार विभाग (डीओटी) 2 अक्टूबर 2025 से 31 अक्टूबर 2025 तक चलने वाले विशेष स्वच्छता अभियान 5.0 को आरंभ करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह अभियान, जो अब विभाग की जारी पहलों का एक अभिन्न अंग है, का उद्देश्य प्रचालन को और अधिक सुव्यवस्थित करना, लंबित मुद्दों का समाधान करना और देश भर में अपने संगठनों, सार्वजनिक उपक्रमों, क्षेत्रीय कार्यालयों और अधीनस्थ कार्यालयों में एक स्वच्छ, अधिक कुशल कार्य वातावरण में योगदान करना है।

लंबित मामलों की पहचान, जिनमें सांसद संदर्भ, राज्य सरकार संदर्भ, अंतर-मंत्रालयी संदर्भ, संसदीय आश्वासन और प्रधानमंत्री संदर्भ शामिल हैं, 15 सितंबर 2025 से 30 सितंबर 2025 तक की जा रही है। इसके बाद, समय पर समाधान और अधिक स्वच्छ, अधिक संगठित कार्य वातावरण सुनिश्चित करने के लिए अभियान आधिकारिक तौर पर पूरी गति से आरंभ हो जाएगा, जो पारदर्शिता और कुशल सेवा वितरण के लिए विभाग की प्रतिबद्धता में एक और बड़ी उपलब्धि होगी।

2 अक्टूबर 2024 से 31 अक्टूबर 2024 तक आयोजित विभाग का विशेष स्वच्छता अभियान 4.0 अत्यधिक सफल रहा। पूरे भारत में 600 से ज्यादा अभियान चलाए गए, जिसके परिणामस्वरूप 2.63 करोड़ रुपये मूल्य के कबाड़ की बिक्री हुई और लगभग 60, 000 वर्ग फुट जगह खाली हुई। इस उपलब्धि में अधिकारियों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी ने अहम भूमिका निभाई।

तब से, विभाग ने अपने प्रयास जारी रखे हैं और उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त किए हैं। नवंबर 2024 और अगस्त 2025 के बीच, दूरसंचार विभाग ने कई महत्वपूर्ण मामलों का समाधान किया, जिनमें शामिल हैंः

- 60, 052 जन शिकायतें
- 257 सांसद संदर्भ
- 96 राज्य सरकार संदर्भ
- 13, 816 लोक शिकायत अपीलें

बीएसएनएल सर्किल कार्यालय, बेंगलुरु - डब्ल्यूएमएस कंपाउंड, बेंगलुरु : प्रचालनगत दक्षता बढ़ाने के अतिरिक्त, विभाग अपने कर्मचारियों के कल्याण के लिए भी प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में, महिला कर्मचारियों की सहायता के लिए एक क्रेच सुविधा का निर्माण कार्य आरंभ हो चुका है।

दूरसंचार विभाग विशेष स्वच्छता अभियान 5.0 को एक और बड़ी सफलता बनाने के लिए कृतसंकल्प है तथा प्रगति, पारदर्शिता और कर्मचारी कल्याण के प्रति अपने निरंतर प्रयास को सुदृढ़ कर रहा है।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

19 नवंबर तक जोधपुर-हड़पसर एक्सप्रेस का ठहराव अहमदाबाद के स्थान पर साबरमती स्टेशन पर रहेगा

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद स्टेशन पर चल रहे रेल भूमि विकास प्राधिकरण (फ्छ्ऊअ) द्वारा पुनर्विकास कार्यों के कारण जोधपुर-हडपसर सुपरफास्ट एक्सप्रेस का ठहराव अस्थाई तौर पर आगामी 60 दिनों तक अहमदाबाद के स्थान पर साबरमती स्टेशन पर यथावत रहेगा। इस ट्रेन का विवरण निम्नानुसार है:

- ट्रेन संख्या 20496/20495 जोधपुर - हडपसर - जोधपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस का ठहराव 19-09-2025 से 19-11-2025 तक अहमदाबाद के स्थान पर साबरमती स्टेशन पर यथावत रहेगा। यात्रियों से निवेदन है कि उपरोक्त बदलाव को ध्यान में रखकर यात्रा करे। ट्रेन के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया वेबसाइट www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई सेंट्रल मंडल में विशेष स्वास्थ्य अभियान के साथ 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान' का शुभारंभ

मुंबई,

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार

पश्चिम रेलवे द्वारा 17 सितम्बर, 2025 को राष्ट्रव्यापी पहल 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान' का शुभारंभ करके महिलाओं के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। माननीय प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटित यह अनूठा अभियान निवारक स्वास्थ्य सेवा, जागरूकता कार्यक्रमों और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने पर केंद्रित है, जिससे मजबूत परिवारों और स्वस्थ समाज की नींव रखी जा सके।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मुंबई सेंट्रल मंडल के चिकित्सा विभाग द्वारा मुंबई सेंट्रल रेलवे स्वास्थ्य इकाई में उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहाँ पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज सिंह ने डॉक्टरों और वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों की उपस्थिति में औपचारिक रूप से दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का उद्घाटन किया, जिसमें मुंबई सेंट्रल मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक श्रीमती आरती परिहार; पश्चिम रेलवे की अपर मुख्य स्वास्थ्य निदेशक डॉ. निशा सिंह; अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (अउटर) डॉ. सोनाली घुमरे; अउटर डॉ. स्वाति सिंह, अउटर डॉ. मीना कुमारी; मंडल चिकित्सा अधिकारी डॉ. रोजलिन बेबी और डॉ. भारती शामिल थीं।

मुंबई सेंट्रल रेलवे स्वास्थ्य इकाई

सब-डिविजनल हॉस्पिटल, वलसाड

अपने संबोधन में श्री पंकज सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि महिलाओं और बच्चों का स्वास्थ्य और शिक्षा एक प्रगतिशील समाज की आधारशिला है। श्रीमती आरती परिहार ने इस पहल की सराहना की और महिलाओं के लिए नियमित स्वास्थ्य जाँच शिविरों के आयोजन को प्रोत्साहित किया।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत एक विशेष स्वास्थ्य अभियान चलाया गया, जिसमें ब्लड शुगर, ब्लड प्रेसर, हीमोग्लोबिन स्तर, ब्रेस्ट एवं स्त्री रोग संबंधी जाँच, ढअढ स्मीयर टेस्ट, ओरल कैंसर और टीबी की जाँच शामिल थी। किशोरियों के लिए मासिक धर्म स्वच्छता पर परामर्श सत्र आयोजित किए गए। डॉ. स्वाति सिंह ने महिलाओं के पोषण और सर्वाइकल कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के बारे में जागरूकता पर एक प्रभावशाली प्रस्तुति दी। जे.जे. अस्पताल के टीबी सुपरवाइजर ने क्षय रोग जाँच पर एक व्याख्यान भी दिया।

अभियान के क्रम में वलसाड के सब-डिविजन अस्पताल में महिला लाभार्थियों और बच्चों के लिए एक ऐसा ही स्वास्थ्य जाँच शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में डॉ. सिम्मी गुप्ता (उटर) और अन्य विशेषज्ञों ने भाग लिया और कार्यक्रम के उद्देश्यों, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों का शीघ्र पता लगाने, एनीमिया, कैंसर जागरूकता, पोषण के महत्व आदि और स्वस्थ जीवन जीने के तरीकों पर चर्चा की। पोषण माह के शुभारंभ के उपलक्ष्य में, वलसाड अस्पताल में प्रोटीन, आयरन और कैल्शियम युक्त खाद्य उत्पादों की एक प्रदर्शनी लगाई गई, जिसे उपस्थित लोगों ने खूब सराहा।

श्री विनीत अभिषेक ने बताया कि मुंबई सेंट्रल और वलसाड में आयोजित स्वास्थ्य जांच शिविरों में 200 से ज्यादा महिलाओं और किशोरियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस दौरान रक्तचाप और रक्त शर्करा की निगरानी, स्तन कैंसर और सर्वाइकल कैंसर की जाँच, स्त्री रोग संबंधी जाँच और अन्य आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण सहित कई तरह की जाँचें की गईं।

इन कार्यक्रमों ने सफलतापूर्वक इस संदेश को पुष्ट किया कि स्वस्थ महिलाएं मजबूत परिवारों और स्वस्थ राष्ट्र की नींव हैं, और यह महिलाओं को अपने कल्याण की जिम्मेदारी लेने के लिए सशक्त भी बनाता है।

पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल द्वारा 70वें रेल सेवा पुरस्कार का जश्न बड़े उत्साह के साथ मनाया गया

मुंबई,

समर्पण की पहचान, उत्कृष्टता को प्रेरणा

पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल ने अपने कर्मचारियों के अथक और समर्पित प्रयासों को मान्यता देने के लिए 70वें रेल सेवा पुरस्कार का आयोजन भव्यता और उत्साह के साथ किया। इस प्रतिष्ठित समारोह के मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज सिंह थे, जिन्होंने इस समारोह की अध्यक्षता भी की। श्री सिंह ने पश्चिम रेलवे में सुरक्षित और सुचारू रेल परिचालन सुनिश्चित करने में कर्मचारियों की ईमानदारी, अनुशासन और प्रतिबद्धता की सराहना की।

पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज सिंह, वरिष्ठ रेल अधिकारियों और रेल सेवा पुरस्कार विजेताओं के साथ।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मुंबई सेंट्रल मंडल के विभिन्न विभागों के कुल 143 कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और समर्पित सेवा के लिए व्यक्तिगत पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, विभिन्न टीमों को उनकी सहयोगात्मक उपलब्धियों और क्षेत्रीय प्रदर्शन के लिए 29 विभागीय शील्ड प्रदान की गईं, जो टीम वर्क की प्रबल भावना को दर्शाती हैं।

अपने संबोधन में श्री पंकज सिंह ने उन कर्मचारियों के प्रयासों की प्रशंसा की, जो लगातार चुनौतियों का सामना करते हैं और इस बात पर जोर दिया कि उनका समर्पण पश्चिम रेलवे में दक्षता, सुरक्षा और यात्री संतुष्टि बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने परिचालन उत्कृष्टता प्राप्त करने में सामूहिक ज़िम्मेदारी के महत्व पर प्रकाश डाला और मुंबई सेंट्रल मंडल के कर्मचारियों द्वारा मानसून अवधि के दौरान किए गए चुनौतीपूर्ण कार्य की विशेष सराहना की।

इस कार्यक्रम में मुंबई सेंट्रल मंडल के सभी वरिष्ठ रेल अधिकारी उपस्थित थे, जिन्होंने पुरस्कार विजेताओं की सराहना की। यह रेल सेवा पुरस्कार न केवल व्यक्तिगत और विभागीय उत्कृष्टता का सम्मान करता है, बल्कि एक सशक्त प्रेरक के रूप में भी कार्य करता है, जो कर्मचारियों को सेवा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने और पश्चिम रेलवे के सुरक्षित, कुशल और यात्री-अनुकूल संचालन के मिशन के प्रति प्रतिबद्धता के लिए प्रेरित करता है।

'स्वच्छता ही सेवा' अभियान में अहमदाबाद मण्डल निभा रहा है अहम भूमिका

साबरमती से ध्रांगध्रा के बीच दूसरी स्वच्छता स्पेशल ट्रेन चलाकर दिया स्वच्छता का संदेश

स्वच्छता अभियान के दूसरे दिन किया गया 10 ट्रक से अधिक कचरे का उचित निस्तारण

'स्वच्छता ही सेवा' (रव्लर) 2025 पूरे देश में 17 सितम्बर से प्रारंभ हुआ, जो 2 अक्टूबर, 2025 को गांधी जयंती के अवसर पर समाप्त होगा। इस वर्ष के अभियान का थीम 'स्वच्छोत्सव' रखा गया है। इस अभियान में कार्यस्थलों, आवासीय क्षेत्रों और सार्वजनिक स्थानों की सफाई, सफाई मित्रों का स्वास्थ्य और सुरक्षा, पर्यावरण मित्र एवं शून्य अपशिष्ट कार्यक्रम और स्वच्छता के प्रति व्यापक जन जागरूकता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

अहमदाबाद मण्डल द्वारा 18.09.2025 को 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के अंतर्गत साबरमती से ध्रांगध्रा के बीच चलाई दूसरी स्वच्छता विशेष ट्रेन चलाई गई, जिसमें इंजीनियरिंग, वाणिज्य, परिचालन, यांत्रिक, सिगनल एवं दूर संचार, विद्युत, कार्मिक, लेखा, चिकित्सा एवं आरपीएफ आदि विभागों के एक-एक अधिकारियों/सुपरवाइजर के साथ प्रत्येक विभाग के 15 से अधिक कर्मचारी शामिल हुए।

साबरमती स्टेशन (जेल साइड) पर एक व्यापक श्रमदान और गहन सफाई अभियान चलाया गया। हर कोने को पूरी लगन और एकजुटता के साथ साफ किया गया, जहां रेलवे स्टाफ, स्वयंसेवक और अधिकारी ने कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। इसके बाद

स्वच्छता विशेष ट्रेन ने अपनी यात्रा आरंभ की जो साबरमती, झुंड, सडला, बजाना, जत पिपली, वसाडवा, ध्रांगध्रा जैसे प्रमुख स्टेशनों पर रुकी। हर ठहराव पर रेलवे कर्मियों ने सफाई अभियानों और जनजागरूकता गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की, जिससे स्टेशन अधिक स्वच्छ हो सके। इस दौरान लगभग 10 ट्रक कचरा जमा कर उसका निस्तारण किया गया।

"स्वच्छता ही सेवा" (रव्लर) का मुख्य उद्देश्य देशभर में व्यापक जनभागीदारी को प्रेरित करना और स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन, एकल-उपयोग प्लास्टिक के उन्मूलन, पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर जागरूकता पैदा करना है। इस क्रम में रेल मंत्रालय द्वारा 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025 तक स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है, जिसके तहत विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ एवं कार्यक्रम निर्धारित किए गए हैं।

रेलवे इकाइयों द्वारा सफाई मित्र सुरक्षा शिविर एवं पीपीई किट व अन्य उपकरणों का वितरण, स्वच्छता के प्रति जागरूकता को जन आंदोलन का स्वरूप देने हेतु मैराथन, साइक्लोथॉन एवं वॉकथॉन जैसे आयोजन, वृक्षारोपण, कार्यालयों, भवनों, रेलवे ट्रैकों, स्टेशनों, ट्रेनों एवं रेलवे परिसरों में व्यापक साफ-सफाई की जाएगी तथा घर-घर जाकर नागरिकों को स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूक किया जाएगा।

अहमदाबाद, पालनपुर, महेसाणा, गांधीधाम आदि रेलवे स्वास्थ्य इकाइयों द्वारा अपने-अपने क्षेत्राधिकार जैसे रेलवे स्टेशन, कॉलोनियाँ आदि में सफाई मित्र सुरक्षा शिविर, स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन तथा पीपीई किट व अन्य उपकरणों का वितरण किया गया।

इस अभियान में कार्यस्थलों, आवासीय क्षेत्रों और सार्वजनिक स्थानों की सफाई, सफाई मित्रों का स्वास्थ्य और सुरक्षा, पर्यावरण मित्र एवं शून्य अपशिष्ट कार्यक्रम और स्वच्छता के प्रति व्यापक जन जागरूकता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

अहमदाबाद मण्डल आम जनता से अपील करता है कि वे इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेकर स्वच्छता को एक जन आंदोलन में बदलने और स्वच्छ भारत के निर्माण में योगदान दें। यह वार्षिक अभियान स्वैच्छिक और सामूहिक भागीदारी को सशक्त बनाने का एक प्रभावी माध्यम है।

उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार शो 2025 के तीसरे संस्करण में 85 से अधिक देशों के 500 से अधिक खरीदार व्यावसायिक अवसरों की खोज करेंगे

भारत 25-29 सितंबर, 2025 को ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित होने वाले तीसरे उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार शो (यूपीआईटीएस) 2025 में अपने सबसे बड़े रिवर्स क्रेता-विक्रेता सम्मेलन की मेजबानी करने के लिए तैयार है। उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से, 85 से अधिक देशों के 500 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय खरीदार स्थानीय निर्यातकों और निमार्ताओं से मिलेंगे और विचारों, उत्पादों और अवसरों का व्यापक आदान-प्रदान करेंगे।

पाँच दिनों के दौरान, ये खरीदार, जिनमें सभी जी20 देशों : अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, जर्मनी, फ्रांस, इटली, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, अर्जेंटीना, दक्षिण अफ्रीका, सऊदी अरब, इंडोनेशिया, मेक्सिको, रूस और चीन के प्रतिनिधिमंडल शामिल हैं, 2, 400 प्रदर्शकों और 1, 00, 000 से ज्यादा विक्रेताओं के साथ बातचीत करेंगे।

इस आयोजन से भारी मात्रा में व्यवसाय सृजित होने का अनुमान है, जो इसे भारत की व्यापार यात्रा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर बना देगा। इसका परिणाम केवल नए निर्यात ऑर्डर तक ही सीमित नहीं होगा, बल्कि संयुक्त उद्यम, तकनीकी गठजोड़ और यहाँ तक कि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) भी होगा, जो दीर्घकालिक व्यावसायिक साझेदारी का मार्ग प्रशस्त करेगा।

फियो के अध्यक्ष श्री एस सी रल्हन ने कहा कि "यूपीआईटीएस 2025 केवल एक व्यापार मेला नहीं है, बल्कि यह उत्तर प्रदेश और दुनिया के बीच एक सेतु है। 85 से अधिक देशों के 500 से अधिक खरीदारों को अपने निर्यातकों से जोड़कर, हम ऐसे अवसर पैदा कर रहे हैं जो व्यापार से परे हैं - ऐसी साझेदारियाँ जो उद्योगों को बदल सकती हैं, निवेश ला सकती हैं और उत्तर प्रदेश के विनिर्माण इकोसिस्टम की असली ताकत का प्रदर्शन कर सकती हैं।"

नागर विमानन महानिदेशालय ने मॉनसून अंतराल के बाद चारधाम यात्रा के लिए हेलीकॉप्टर सेवाओं को मंजूरी दी

सुरक्षित और निर्बाध परिचालन सुनिश्चित करने के लिए उन्नत सुरक्षा उपायों के साथ हेलीकॉप्टर सेवाएं फिर शुरू होंगी

नागर विमानन मंत्री राममोहन नायडू और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने डीजीसीए, एएआई और उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के लिए कई बैठकें कीं

(जीएनएस)। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने मॉनसून अंतराल के बाद 15/16 सितंबर 2025 से चारधाम यात्रा 2025 के लिए हेलीकॉप्टर परिचालन फिर से आरंभ करने की स्वीकृति दे दी है।

नागर विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू के नेतृत्व में गहन समीक्षा के बाद चारधाम यात्रा और अधिक सुरक्षित बनाने हेतु महत्वपूर्ण पहल की गई है। सुरक्षा में कोई चूक बिल्कुल बर्दाश्त न करने के स्पष्ट आदेश के साथ, डीजीसीए को सख्त कदम उठाने और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

श्री राममोहन नायडू ने डीजीसीए, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, राज्य सरकार और उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के लिए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के साथ देहरादून और दिल्ली में कई समीक्षा बैठकें कीं।

नागर विमानन मंत्री के निर्देशों के अनुसार, डीजीसीए ने 13 से 16 सितंबर 2025 तक अपनी टीम द्वारा सभी हेलीपैड, हेलीकॉप्टरों, संचालकों की तैयारियों और सहायता सुविधाओं का व्यापक निरीक्षण/आकलन किया। इसके बाद उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण और हेलीकॉप्टर ऑपरेटरों को संचालन फिर से आरंभ करने की स्वीकृति दी गई।

इसके अलावा, नागर विमानन महानिदेशालय द्वारा सभी हेलीकॉप्टर संचालक कंपनियों और पायलटों को चुनौतियों तथा तीर्थयात्रा संचालन से संबंधित परिपत्र में अपनाए गए अतिरिक्त सुरक्षा उपायों की जानकारी दी गई।

हेलीकॉप्टर द्वारा चारधाम की यात्रा के दो घटक हैं: पहला देहरादून (सहस्त्रधारा) से यमुनोत्री/गंगोत्री/केदारनाथ/बद्रीनाथ तक चार्टर सेवाएं और दूसरा गुप्तकाशी/फाटा/सीतापुर क्लस्टर से श्री केदारनाथ जी हेलीपैड तक शटल सेवाएं। कुल छह हेलीकॉप्टर संचालक गुप्तकाशी/फाटा/सीतापुर क्लस्टर से हेलिकॉप्टर शटल संचालन करेंगे और सात ऑपरेटर/संघ देहरादून (सहस्त्रधारा) से चार्टर उड़ान संचालित करेंगे।

उत्तराखंड के अति-ऊंचाई और दूरस्थ क्षेत्रों में स्थित तीर्थस्थलों तक श्रद्धालुओं की आवाजाही सुगम बनाने में हेलीकॉप्टर सेवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका मानते हुए, डीजीसीए ने सुरक्षित और निर्बाध संचालन सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा उपाय बढ़ाए हैं। डीजीसीए चारधाम यात्रा हेलीकॉप्टर संचालन पर कड़ी और निरंतर निगरानी रखेगा। मई-जून 2025 में चारधाम सेक्टर में कई हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं के बाद, विभिन्न उच्चाधिकार प्राप्त समितियों ने सुरक्षित हेलीकॉप्टर संचालन में सुरक्षा उपायों की सिफारिश की थी, जिनमें भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण - एएआई द्वारा हवाई यातायात नियंत्रकों, भारतीय मौसम विभाग द्वारा मौसम विज्ञान अधिकारियों और उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूसीएडीए) द्वारा नियंत्रण कक्षों में योग्य कर्मियों की तैनाती शामिल है।

डीजीसीए द्वारा कार्यान्वित प्रमुख सुरक्षा पहल :

पायलट क्षमता और प्रशिक्षण गहन बनाया गया

चारधाम सेक्टर पर उड़ान भरने वाले सभी पायलटों के लिए अनिवार्य मार्ग जांच और आवर्ती प्रशिक्षण।

अति ऊंचाई पर संचालन, खराब मौसम से निपटने और चालक दल के संसाधन प्रबंधन पर विशेष जोर।

इस क्षेत्र में उड़ान अनुभव वाले योग्य पायलटों की ही तैनाती।

उन्नत उड़ान योग्यता निरीक्षण

यात्रा में इस्तेमाल होने वाले सभी हेलीकॉप्टरों का सघन उड़ान योग्यता निरीक्षण।

परिचालन सत्र के दौरान जांच की बारंबरता बढ़ाने के साथ हेलिकॉप्टर निर्माणकर्ता कंपनी द्वारा अनुशंसित रखरखाव का सख्ती से पालन।

परिचालन सुरक्षा उपाय

चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में सुरक्षित उड़ान और लैंडिंग सुनिश्चित करने के लिए वजन और संतुलन का सख्त पालन।

स्थितिजन्य जानकारी के लिए आधुनिक नेविगेशन और संचार सहायता का अनिवार्य उपयोग।

समर्पित सूचना प्रणाली द्वारा पायलटों के लिए वास्तविक समय अपडेट के साथ उन्नत मौसम निगरानी।

हवाई यातायात सेवाओं की सलाहकार क्षमता

यात्री सुरक्षा एवं जागरूकता

हेलिकॉप्टर में सवार होने से पहले सभी यात्रियों को सुरक्षा संबंधी जानकारी दी जाएगी, जिसमें सीट बेल्ट का उपयोग, सुरक्षित रूप से चढ़ने/उतरने की जानकारी तथा आपातकालीन स्थिति में उठाए जाने वाले उपायों की जानकारी शामिल होंगी।

यात्रियों की आवाजाही में सहायता और उन्हें नियंत्रित करने के लिए हेलीपैड पर अतिरिक्त ग्राउंड सुरक्षा कर्मचारियों की तैनाती।

सुदृढ़ नियामक निगरानी

डीजीसीए की उड़ान परिचालन और उड़ान योग्यता टीमें जमीनी निगरानी के लिए महत्वपूर्ण हेलीपैडों पर तैनात की जाएंगी।

एसईसीएल ने प्रधानमंत्री के जन्मदिन और विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर 75 कोयला श्रमिकों को सम्मानित किया

स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025 के अंतर्गत स्वच्छता शपथ दिलाई गई

(जीएनएस)।

कोल इंडिया लिमिटेड की प्रमुख सहायक कंपनी साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन और भगवान विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर छत्तीसगढ़ के बिलासपुर स्थित अपने मुख्यालय में आयोजित एक भव्य समारोह में 75 कोयला खनन कर्मियों को एसईसीएल विश्वकर्मा पुरस्कारों से सम्मानित किया। एसईसीएल विश्वकर्मा पुरस्कारों के पहले संस्करण में एसईसीएल की खदानों में खनन कार्यों, रखरखाव, पर्यवेक्षण और संबद्ध भूमिकाओं में कार्यरत कर्मियों के साहस, समर्पण और अनुकरणीय सेवा को सम्मानित किया गया।

केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रुप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसईसीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहान ने की। इस अवसर पर एसईसीएल के कार्यकारी निदेशकगण, श्रमिक संघों के प्रतिनिधि, विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

श्री तोखन साहू ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर विश्वकर्मा जयंती के शुभ अवसर पर विश्वकर्मा पुरस्कार स्थापित करने की एसईसीएल की पहल की सराहना की।

गणमान्य व्यक्तियों ने इस अवसर पर "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के अंतर्गत पौधे रोपे। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि द्वारा स्वच्छता शपथ दिलाने के साथ हुई, जिसके साथ ही एसईसीएल मुख्यालय और परिचालन क्षेत्रों में "स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025" का शुभारंभ भी हुआ।

समारोह के एक भाग के रूप में, एसईसीएल ने मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के अपने दस परिचालन जिलों में "एसईसीएल-17: विश्वकर्मा सेवा संकल्प" नामक एक विशेष एक दिवसीय अभियान भी संचालित किया। इस अभियान में नियमित और संविदा कर्मचारियों के लिए सत्रह कल्याणकारी गतिविधियाँ शामिल थीं, जिनमें स्वास्थ्य शिविर, रक्तदान, सुरक्षा और सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम, वित्तीय और डिजिटल साक्षरता कार्यशालाएँ, "एक पेड़ माँ के नाम" के तहत वृक्षारोपण अभियान और नशामुक्ति जागरूकता पहल सम्मिलित थीं। ये गतिविधियाँ कर्मचारियों के कल्याण, स्थायी प्रथाओं और सामुदायिक विकास के प्रति एसईसीएल की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

पश्चिम रेलवे द्वारा ट्रेन नं. 19206 महुवा-भावनगर टर्मिनस एक्सप्रेस एवं ट्रेन नं. 59229 बोटाद-भावनगर टर्मिनस पैसेंजर के समय में परिवर्तन

यात्रियों की सुविधा, ट्रेनों की समयबद्धता में सुधार तथा सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पश्चिम रेलवे द्वारा 22 सितम्बर, 2025 से ट्रेन नं. 19206 महुवा-भावनगर टर्मिनस एक्सप्रेस एवं ट्रेन नं. 59229 बोटाद-भावनगर टर्मिनस पैसेंजर के समय में संशोधन किया गया है।

इन दोनों ट्रेनों के संशोधित समय नीचे अनुसार रहेंगे:

1. ट्रेन नं. 59229 - बोटाद-भावनगर टर्मिनस पैसेंजर

- बोटाद जं. से प्रस्थान अब प्रातः 06.50 बजे होगा (पूर्व समय 07.10 बजे था)।
- भावनगर टर्मिनस पर आगमन अब प्रातः 09.10 बजे होगा।
- मार्ग के प्रमुख स्टेशनों पर प्रस्थान समय 10 से 15 मिनट तक अग्रिम किया गया है।

2. ट्रेन नं. 19206 - महुवा-भावनगर टर्मिनस एक्सप्रेस

- महुवा जं. से प्रस्थान दोपहर 03.10 बजे होगा (पूर्व समय 03.00 बजे था)।
- भावनगर टर्मिनस पर आगमन रात्रि 07.50 बजे अपरिवर्तित रहेगा।
- मध्यवर्ती स्टेशनों पर आगमन/प्रस्थान समय में आवश्यकतानुसार परिवर्तन किया गया है।

यात्रियों से अनुरोध है कि वे यात्रा से पूर्व अपने गंतव्य स्टेशनों के संशोधित आगमन एवं प्रस्थान समय की जानकारी वेबसाइट www. enquiry. indianrail. gov.in से अवश्य प्राप्त कर लें।

यह परिवर्तन 22 सितम्बर, 2025 से प्रभावी रहेगा।

भावनगर टर्मिनस से चलने वाली भावनगर - शहीद कप्तान तुषार महाजन जन्मभूमि एक्सप्रेस 12 अक्टूबर तक रद्द

यात्रियों की जानकारी हेतु सूचित किया जाता है कि परिचालन कारणों से पश्चिम रेलवे, भावनगर मंडल से चलने वाली भावनगर टर्मिनस - शहीद कप्तान तुषार महाजन जन्मभूमि एक्सप्रेस अस्थायी रूप से निरस्त रहेगी।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी के अनुसार, विस्तृत विवरण इस प्रकार है:

1. ट्रेन संख्या 19107 भावनगर टर्मिनस - शहीद कप्तान तुषार महाजन जन्मभूमि एक्सप्रेस

दिनांक 21.09.2025, 28.09.2025, 05.10.2025 एवं 12.10.2025 को पूर्णतः निरस्त रहेगी।

2. ट्रेन संख्या 19108 शहीद कप्तान तुषार महाजन - भावनगर टर्मिनस जन्मभूमि एक्सप्रेस

दिनांक 22.09.2025, 29.09.2025, 06.10.2025 एवं 13.10.2025 को पूर्णतः निरस्त रहेगी।

यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी यात्रा की योजना उपरोक्त परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए बनाएं।

ट्रेन के ठहराव, संरचना एवं

फिक्की फ्लो लखनऊ ने अमनदीप ख्याल के साथ एक मनमोहक शाम का आयोजन किया

"ज़िंदगी मेरे ख्याल से"कहानी और कविता की मनमोहक प्रस्तुति

लखनऊ। फिक्की फ्लो लखनऊ चैप्टर ने आज गोमती नगर के होटल हयात में एक यादगार साहित्यिक और सांस्कृतिक संध्या "ज़िंदगी मेरे ख्याल से" का आयोजन किया, जिसे प्रसिद्ध कवि कलाकार और कहानीकार अमनदीप ख्याल ने प्रस्तुत किया।

इस कार्यक्रम ने कहानी कहने और कविता के मंचन की अलग विधा को मनमोहक ढंग से प्रस्तुत किया गया।

कथाकार अमनदीप ने फ्लो सदस्यों और उपस्थित मेहमानों की भावनाओं, विचारों और रोजमर्रा की ज़िंदगी की खूबसूरती को एक भावपूर्ण यात्रा के रूप में अनुभव कराया। सरलता और गहराई का मिश्रण करते हुए अमनदीप के मनमोहक वर्णन ने दर्शकों को भावविभोर, प्रेरित और मंत्रमुग्ध कर दिया।

मानवीय अनुभवों को प्रभावशाली कहानियों में पिरोने की उनकी क्षमता ने हँसी, पुरानी यादों और भावपूर्ण मौन के पल पैदा किए, जिससे यह एक ऐसी शाम बन गई जिसने उपस्थित सभी लोगों को गहराई से प्रभावित किया।

फिक्की फ्लो लखनऊ चैप्टर की अध्यक्ष वंदिता अग्रवाल ने बताया कि हमारे सदस्यों के लिए यह कार्यक्रम समृद्ध सांस्कृतिक और बौद्धिक अनुभव प्रदान करने वाला रहा।उन्होंने कहा कि हमारा सदैव यह प्रयास रहता है कि कार्यक्रमों के माध्यम से हम अपने फ्लो सदस्यों को मनोरंजन, स्वास्थ्य, सामाजिक कार्यों, महिलाओं के शसक्तीकरण और व्यवसाय के प्रति प्रेरित करें।

इस आयोजन की इवेंट चेयर निवेदिता सिंह और उपस्थित प्रमुख लोगो मे सिमरन साहनी, वनिता यादव, स्मृति गर्ग और शमा गुप्ता मौजूद थीं।

श्रीजी धाम बरसाना में भागवत कथा कराने आए श्रद्धालुओं की दबंगों ने की मारपीट : घटना के बाद वैश्य संगठनों में पनपा आक्रोश

मथुरा (जीएनएस)। योगीराज भगवान श्रीकृष्ण की नगरी में तीर्थ स्थलों पर बाहर से आने वाले श्रद्वालुओ के साथ मारपीट और अभद्रता की घटनाएं आए दिन बढ़ती जा रही हैं। इससे ब्रज में आने वाले श्रद्धालुओं में असुरक्षा का माहौल बनता जा रहा है। अगर आगे इस तरह की घटनाओं पर पुलिस ने अंकुश नहीं लगाया तो योगी सरकार की कानून-व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह लग सकता है। जानकारी के अनुसार श्रीजी धाम बरसाना में भागवत कथा कराने आए अखिल भारतीय वैश्य महासभा के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव डा. संजीव कुमार वार्ष्णेय बंटी बाबू और उनके परिजनों के साथ विगत 16 सितंबर की रात्रि को दबंगों ने मारपीट कर दी। बरसाना स्थित बरेली वाली धर्मशाला में विगत 14 सितंबर से भागवत कथा चल रही है। उसी बीच 16 सितंबर की रात्रि में कथा आयोजक बंटी बाबू के साथ पार्किंग में कुमार नामजद दबंग लोगों ने संजीव कुमार वार्ष्णेय बंटी बाबू, उनके बेटे सजल वार्ष्णेय और राष्ट्रीय प्रवक्ता पंकज गुप्ता के साथ मारपीट की करते हुए नगदी, घड़ी और सोने की जंजीर लूट लीं। लोगों का कहना है कि मारपीट करने वाले बदमाशों को स्थानीय पुलिस का संरक्षण प्राप्त है, इसी कारण घटना के बाद पुलिस ने दबंगों को गिरफ्तार करने के बजाए भागने का मौका दे दिया। भागवत कथा कराने आए श्रद्धालुओं के साथ मारपीट और लूटपाट की घटना की जानकारी उच्चाधिकारी और सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं दी गई, तब जाकर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि श्रद्धालुओं के साथ मारपीट करने वाले दबंगों ने इससे पहले भी कई मारपीट की घटनाएं दर्शनार्थियों के साथ भी कर चुके हैं। दूसरी एक बंटी बाबू और उनके परिजनों तथा मित्रों के साथ की गई मारपीट की घटना से वैश्य समाज के विभिन्न संगठनों में आक्रोश व्याप्त है। मथुरा के अलावा अलीगढ़, हाथरस, एटा, मुरादाबाद, चंदौसी, बहजोई और आगरा के लोगों ने इस घटना पर मुख्यमंत्री से कड़ी कार्रवाई करने की मांग करते हुए दोषियों को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग की है।

जिला कारागार में बंदियों के मध्य करायी गई सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता : कारागार अधीक्षक कर रहे अभिनव प्रयास

मथुरा (जीएनएस)। जिला कारागार में निरूद्ध बंदियों के बीच सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित करायी गई। जिला कारागार अधीक्षक अंशुमन गर्ग के निर्देशन में कारागार में निरूद्ध बंदियों को शिक्षा और स्वरोजगार के क्षेत्र में निपुण करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार जिला कारागार अंशुमन गर्ग के निर्देशन में कारागार में निरूद्ध बंदियों के मध्य एक सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित कराई गई। इस प्रतियोगिता में 78 पुरुष और 15

महिला बंदियों के द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्रतियोगिता के लिए प्रश्नपत्र, शिक्षा अध्यापक सुलेंद्र चौधरी के द्वारा तैयार किए गए थे। प्रतियोगिता में आए हुए प्रश्न पत्र में कुल 100 प्रश्न थे। सभी प्रश्नों को हल करने के लिए एक घंटे का समय निर्धारित किया गया था। यह प्रतियोगिता, उपकारपाल रवीन्द्र कुमार, दुर्गेश प्रताप सिंह और शिक्षा अध्यापक की देखरेख में सम्पन्न हुई।प्रतियोगिता में पुरूष और महिला वर्ग से प्रत्येक को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

सुरीर पुलिस ने फरार चल रहे दुष्कर्मी को किया गिरफ्तार : शादी का झांसा देकर किया बलात्कार, फिर धमका कर करता रहा दुष्कर्म

मथुरा (जीएनएस)। थाना सुरीर क्षेत्र स्थित तेहरा अंडरपास के निकट से पुलिस ने फरार चल रहे बलात्कार के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी सुरीर अभय शर्मा और एसआई प्रबल प्रताप सिंह पुलिस टीम के साथ वांछित अपराधियों की तलाश में जुटे हुए थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि बलात्कार के मामले में फरार चल रहा आरोपी कहीं भागने की फिराक में तेहरा अंडरपास के निकट खड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अभय शर्मा और एसआई प्रबल प्रताप सिंह पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखकर भागने

का प्रयास कर रहे आरोपी आशीष खांन पुत्र सलीम उर्फ सुलेमान निवासी सुल्तानपुर थाना सुरीर को घेराबंदी करके दबोच लिया। इस संबंध में जानकारी देते हुए थाना प्रभारी अभय शर्मा ने बताया कि पकड़े गए आरोपी ने पीड़िता को शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए थे। बताया कि आरोपी ने इसके बाद पीड़िता को धमकाकर कई बार बलात्कार किया था। उसी समय से पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

अमीनाबाद का विकास और कुंभकर्ण की नींद में सोए अंगद, एलडीए की सीलिंग और कंपाउंडिंग का खेल, एक तमाशा

(जीएनएस)।

लखनऊ शहर अपनी नजाकत और तहजीब के लिए जाना जाता है, लेकिन लगता है कुछ लोगों ने इस तहजीब को अवैध निर्माण की तहजीब में बदल दिया है। अमीनाबाद, जो कभी अपनी गलियों और बाजारों के लिए मशहूर था, आज अवैध इमारतों के जंगल में तब्दील हो रहा है।

शिकायतें होती हैं, कार्रवाई का ढोंग भी रचा जाता है, लेकिन नतीजा वही ढाक के तीन पात! अमीनाबाद चौराहे पर बाटा शोरूम के सामने स्थित आरिज फैशन क्लब का मामला एक बेहतरीन मिसाल है। पहले छऊ्ञ ने बड़ी शान से इस अवैध निर्माण को सील किया, मानो भ्रष्टाचार की जड़ ही काट दी हो। लेकिन कुछ दिनों बाद, कम्पाउंडिंग का जादू चला और सील खुल गई। अधिकारियों ने तर्क दिया, क्षेत्रफल कम है, जैसे कि अवैध निर्माण का क्षेत्रफल कम होने से उसका अपराध भी कम हो जाता है।

यह कार्रवाई नहीं, बल्कि एक तमाशा है। यह उन लोगों के लिए एक खुला आमंत्रण है जो नियमों को ताक पर रखकर अपनी मनमानी करते हैं। वे जानते हैं कि थोड़ी-बहुत कागजी कार्रवाई के बाद सब ठीक हो जाएगा। आखिर, जब अधिकारी कुंभकरण की नींद में सोए हों, तो ऐसे बिल्डर क्यों न जश्न मनाएं? परिवर्तन जोन छह के मुखिया, अंगद साहब, जब से आए हैं, ऐसा लगता है कि उन्होंने अवैध निमार्णो को संरक्षण देने का बीड़ा उठा लिया है।

यहां तक कि जब कोई जागरूक नागरिक शिकायत करता है, तो उसे ताना मारा जाता है कि आप बहुत जागरूक हो। मानो जागरूकता एक गुनाह हो और भ्रष्टाचार एक कर्तव्य! यह दिखाता है कि यह सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि मिलीभगत का खेल है।

अमीनाबाद की संकरी गलियों में पैदल चलना भी मुश्किल है और ऐसे में बिना पार्किंग की व्यावसायिक इमारतें शहर के लिए नासूर साबित हो रही हैं। यह सिर्फ एक इमारत का मामला नहीं, बल्कि पूरे शहर की व्यवस्था का सवाल है, जो भ्रष्टाचार की नींव पर खड़ी हो रही है। जब तक अधिकारी अपनी जिम्मेदारी नहीं समझेंगे और सिर्फ कागजों पर कार्रवाई करते रहेंगे, तब तक लखनऊ का यह 'विकास' ऐसे ही जारी रहेगा।

आज दीनदयाल धाम आ रहे मुख्यमंत्री योगी : दीनदयाल जी के स्मृति महोत्सव में पर दो घंटे दीनदयाल धाम में रहेंगे मुख्यमंत्री

मथुरा (जीएनएस)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मभूमि नगला चंद्रभान स्थित दीनदयाल धाम में मुख्यमंत्री आज आ रहे है। मुख्यमंत्री दीनदयाल धाम में दो घंटे रूकेंगे। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी हुए कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज सुबह 11 बजे हेलीकॉप्टर से दीनदयाल धाम पहुंचेंगे। जारी कार्यक्रम के अनुसार 11:15 से 12.15 बजे तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव में

आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी शामिल होंगे। इसके उपरांत 11:45 बजे तक का समय आरक्षित रखा गया है। दोपहर 12:55 बजे मुख्यमंत्री योगी नोएडा के लिए रवाना हो जाएंगे। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर गुरुवार को डीएम और एसएसपी ने ब्रीफिंग की। डीएम चन्द्र प्रकाश और एसएसपी श्लोक कुमार द्वारा फरह क्षेत्र स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव मेला तथा मुख्यमंत्री आगमन के दृष्टिगत सुरक्षा-व्यवस्था में लगे पुलिस-प्रशासन के अधिकारी तथा कर्मचारियों की पंडित दीनदयाल उपाध्याय विद्या मंदिर इंटर कॉलेज (फरह) में ब्रीफिंग के दौरान आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

एकात्मदर्शन अपनाकर ही भारत बनेगा विश्वगुरू : विहिप के महामंत्री बजरंग लाल बांगड़ा ने मेला शुभारंभ पर सनातन और संस्कृति का बताया महत्व

मथुरा (जीएनएस)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव मेला के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए विहिप के महामंत्री बजरंग लाल बांगड़ा ने कहा कि एकात्मक मानव का जो दर्शन पंडित जी ने हमको दिया है, वह हजारों वर्षो से भारतवर्ष में प्रचलित है। सनातन धर्म ने हमको एक व्यवस्था प्रदान की है, हमारी संस्कृति जिसमें वैदिक सनातन धर्म हमारा आधार है। उन्होंने कहा कि गीता की दृष्टि से राष्ट्रीयता से ओत-प्रोत जिस प्रकार के जीवन दर्शन की एक व्यवस्था हमें मिली, वह पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने दी है। उसी प्रकार की दृष्टि उस समय के किसी भी राज नेता या समाज के नेता ने या किसी भी व्यक्ति ने या दार्शनिक तथा अन्य किसी पुरुष ने हमें नहीं दी। कहा कि पंडित दीनदयाल जी ने एकात्मक मानव दर्शन का जो सिद्धांत दिया, उससे भारत का ही नहीं बल्कि विश्व का कल्याण समाहित है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के विचार में मानव कल्याण निहित है। वहीं उमा पीठाधीश्वर स्वामी रामदेवानंद

सरस्वती महाराज ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि दीनदयाल उपाध्याय ने एकात्मदर्शन का सिद्धांत दिया। जब-जब कोई बड़ी क्रांति होती है, तब हमारे बृज से ही होती है। राम मंदिर का आंदोलन तब पूर्ण हुआ, जब इस आंदोलन में हमारे बृजवासी, कथा वाचक, ब्राह्मण और क्षत्रिय आदि सभी लोग लगे तो हमें पूरी सफलता मिली।इसी श्रृंखला में दीनदयाल उपाध्याय जी आते हैं। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय गौ सेवा प्रमुख अजित महापात्र ने कहा कि हिंदू का एक विशेष दृष्टिकोण है, हिंदुस्तान में रहने वाले लोगों को हिंदू कहते हैं। इस हिंदुस्तान में जन्म लेने वाला प्रत्येक व्यक्ति हिंदू है। वहीं आचार्य अतुल कृष्ण महाराज ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय जी की विचार धारा को अपनाने से ही भारत विश्व गुरु बनेगा। इससे पूर्व अतिथियों ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रपट पर दीप प्रज्वलित करके मेला का शुभारंभ किया। इस मौके पर मेला अध्यक्ष सोहनलाल ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया तथा संचालन मंत्री मनीष अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष नरेंद्र पाठक, एडवोकेट नीरज गर्ग, आचार्य बिजेंद्र नागर, योगेश आवा, शिवकुमार शर्मा, मीडिया प्रभारी श्रवण कुमार शर्मा, प्रचार मंत्री मुकेश शर्मा और अशोक शर्मा समेत अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

दादा मियां की दरगाह पर समाजसेवियों और पत्रकारों ने पेश की अकीदत की चादर

मुल्क में आपसी भाईचारा, अमन चैन, सुख शांति और बाढ़ में फंसे हर देश वासी के लिए हुई विशेष दुआएं।

मुल्क में आपसी भाईचारा, अमन चैन, सुख शांति और बाढ़ में फंसे देश वासियों के लिए हुई विशेष दुआएं।

असताना ए दादा मियाँ पर समाज के सभी वर्गों और पत्रकारों की खुशहाली के लिए भी हुई दुआएं

लखनऊ। माल एवेन्यू स्थित हजरत मोहम्मद नबी शाह रहङ्ग बाबा के 118 वा उर्स मुबारक बड़ी ही धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। इस मुबारक मौके पर दरगाह पर समाजसेवियों और उत्तर प्रदेश जिला मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन की ओर से अकीदत की चादर पेश की और मुल्क में आपसी भाईचारा, अमन चैन, सुख शांति, प्रदेश की खुशहाली और बाढ़ में फंसे देश वासियों के लिए इज्तिमाई शक्ल में विशेष दुआएं की तथा समाज के सभी वर्गों और पत्रकारों की खुशहाली के लिए भी हुई दुआएं।

इस अवसर पर नवाब मसूद अली, कुदरत खान, परवेज अख़्तर, मो अली साहिल, नजम एहसन, नुरैन आलम, सरदार जसबीर गांधी, गौसिया खानम, निदा फातिमा, नूर आलम, अशफाक कुरैशी, शबाब नूर, मोहम्मद इकराम उर्फ गुड्डू, सरफरज जाहिद, आमिर मुख्तार, छायाकार

अब्दुल्ला, विधायक रविदास मेहरोत्रा, उत्तर प्रदेश जिला मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन के महामंत्री अब्दुल वहीद, सचिव जुबैर अहमद, काशांन्न ए वारिस के अध्यक्ष अरशद मुर्तजा वारसी, फरहा रिजवी, मुतुर्जा अतहर रजा आरिफ मुकीम, सय्यद इकबाल, मो आफाक, मो शकील, चौधरी शादाब, इत्यादि मौजूद रहे।इन सबकी मौजूदगी में दरगाह के सज्जादा नशीन व मुतवल्ली हजरत ख़्वाजा सबाहत हसन शाह ने मजार शरीफ पर समाज के सभी वर्गों और पत्रकारों की खुशहाली के लिए अल्लाह से दुआएं मांगी।इस मौके पर फरहत हसन ने बताया कि इस उर्स में देश के विभिन्न हिस्सों से आए हुए श्रद्धालु हजरत ख़्वाजा मोहम्मद नबी रजा शाह अल मारूफ दादा मियां को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं, रात भर सूफी कव्वाली होती है इसी के साथ लंगर का आयोजन व वितरण भी किया जाता है।

इस अवसर पर कई समाजसेवी तथा दर्जनों पत्रकार लोग मौजूद रहे।

गुजरात साइंस सिटी में ओजोन डे और नेशनल इंजीनियर्स डे का आयोजन: छात्रों में पर्यावरण और तकनीकी योगदान के प्रति जागरूकता फैलाई गई

अहमदाबाद, गुजरात साइंस सिटी में वर्ल्ड ओजोन डे और नेशनल इंजीनियर्स डे के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में गुजरात की कई इंजीनियरिंग कॉलेजों और विभिन्न स्कूलों के 2000 से अधिक छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

वर्ल्ड ओजोन डेः पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने का प्रयास

वर्ल्ड ओजोन डे के मौके पर कॉलेज के छात्रों द्वारा स्कूल के विज़िटर छात्रों के लिए पैनल चर्चा और पर्यावरण जागरूकता पर नाटक का आयोजन किया गया। छात्रों को ओजोन परत का महत्व, वर्तमान में उसके सामने मौजूद खतरे और उसके संरक्षण के उपायों की जानकारी दी गई। विशेषज्ञों और छात्रों ने उद्योग और तकनीक के विकास के साथ-साथ पर्यावरण संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता समझाई। इसके अतिरिक्त, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास पर भी उपयोगी चचार्एं की गईं।

वर्ल्ड ओजोन डे हर साल 16 सितंबर को मनाया जाता है। यह दिन 1987 में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल की स्मृति में मनाया जाता है, जिसे ओजोन परत को नुकसान पहुँचाने वाले रसायनों के उपयोग को कम करने के लिए बनाया गया था। 1994 में इसे संयुक्त राष्ट्र द्वारा आधिकारिक रूप से घोषित किया गया था।

ओजोन डे के अवसर पर छात्रों को ज्ञानवर्धक खेल भी खेलवाए गए, ताकि वे मजा के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति अपनी समझ को बढ़ा सकें।

नेशनल इंजीनियर्स डेः नवाचार और विकास का संकल्प

नेशनल इंजीनियर्स डे का भी गुजरात साइंस सिटी में भव्य रूप से आयोजन किया गया। यह दिन भारत के महान इंजीनियर और भारत रत्न मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती पर मनाया जाता है।

कार्यक्रम की शुरूआत में श्री विश्वेश्वरैया के जीवन और योगदान पर आधारित एक फिल्म दिखाई गई। इसके बाद पैनल चर्चा में विशेषज्ञों ने छात्रों को इंजीनियरिंग के क्षेत्र में सतत नवाचार , नेट-जीरो टार्गेट्स, नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर ज्ञानवर्धक जानकारी दी।

विशेष रूप से यह संदेश दिया गया कि भावी इंजीनियर केवल नए आविष्कार न करें, बल्कि ऐसे आविष्कार करें जो मानव और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखने में सहायक हों।

ज्ञान, संवाद और प्रेरणा का मंच

ओजोन डे और नेशनल इंजीनियर्स डे के संयुक्त उत्सव ने युवाओं को विज्ञान, इंजीनियरिंग और पर्यावरण के बीच के संबंध को समझने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया। विशेषज्ञों के मार्गदर्शन से छात्रों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से परिवर्तन लाने की प्रेरणा मिली।